
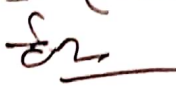


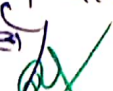
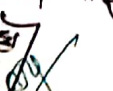


तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाहीमदेहनिशियत्स वेम विस जबातम वगैरे कपील नांवाक ॥१५	नम्बर व तारीख अहकामजोहराहुकम की तामीलमेंजारीहुए ।
26/7/18	वकील फरीकेन अग चीन रिकार्ड तलप होकर पत्रावली दिनांक 25/9/18 को पेश है 	
13/11/18	तारीख पेशी जनरल नोटिस कु नदली जामे पा पत्रावली भजन पेश हुई वकील फरीकेन अग 22/10/18 पुनः कार्य में अस्त है हुको हुला (दिनांक 17/11/18 को पेश है) 	
17/11/18	वकील फरीकेन अग हुको हुला (दिनांक 24/11/18 को पेश है) 	
21/1/19	वकील फरीकेन अग कपीलक नामले हदलीसरा (लमेहरा है कपीलक नाम ५५५ हुको हुला है पत्रावली वाले कसस दिनांक ६/३/१९ को पेश है 	
6/3/19	वकील फरीकेन अग कहल हुनी गई पत्रावली वाले कोडिया दिनांक 13/3/19 को पेश है 	
19/3/19	वकील फरीकेन अग कपील अलीलांर शरिफ की अही है विद्वत शिर्मा प्रथम है सिखाया जाकर शाकिल किम अग पत्रावली वाले केवल प्रकार के नकर है कम है 	

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सपोटरा जिला करौली

पीठासीन अधिकारी- श्रीमती तारामती वैष्णव आर.ए.एस. उप खण्ड अधिकारी सपोटरा

मु0नं0 किस्म ता0दायरा
01/14 अपील नामा0 13.01.14

तारीख निर्णय
19.03.2019

प्रेम पुत्री वीरया उर्फ वीरबल पत्नि प्रहलाद जाति गीना निवासी बूकना तहसील सपोटरा जिला करौली राजस्थान।

-अपीलॉण्ट

बनाम

1. जगराम 2. प्रेमराज पुत्रान लच्छा जाति गीना निवासी बूकना तहसील सपोटरा जिला करौली राज0 3. रामकन्या 4. राजन्ती 5. कम्मों 6. काड़ी पुत्रीयान लच्छा जाति गीना निवासी बूकना तहसील सपोटरा जिला करौली राज0 7. लिछमा वेवा लच्छा जाति गीना निवासी बूकना तहसील सपोटरा जिला करौली 8. ग्राम पंचायत एकट जरिये सरपंच ग्राम पंचायत एकट तहसील सपोटरा जिला करौली राजस्थान।

-रेस्पोडेन्ट्स


अपील व नाराजगी निर्णय दिनांक 06.05.2013 न्यायालय ग्राम पंचायत एकट बाबत नामा0 सं0 1026 ग्राम एकट स्वीकृत किया गया है के विरुद्ध

संक्षेप में अपील के तथ्य इस प्रकार से है कि निर्णय दिनांक 06.05.2013 अधीनस्थ न्यायालय ग्राम पंचायत एकट बाबत नामा0 सं0 1026 ग्राम एकट खिलाफे कानून रूहदाद मिसल है और निरस्त किये जाने योग्य है। अपीलॉण्ट द्वारा दिनांक 10.07.2008 को एक वाद न्यायालय हाजा मे आराजी खसरा नं0 288, 290, 697, 702 एवं खसरा नं0 2 तथा खसरा नं0 51, 55 ग्राम एकट का एक वाद धारा 53, 88, 188 आर.टी.एक्ट के तहत अपने 1/2 हिस्से का बंटवारा व घोषणा खातेदारी कराने एवं स्थायी निषेधाज्ञा का प्रस्तुत किया गया जिसका विचारण होने के बाद न्यायालय हाजा ने निर्णय कर वादीया को उक्त भूमि के हिस्से 1/2 का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाकर दावा अपीलॉण्ट डिक्री दिनांक 22.06.2011 को किया गया जिसकी अपील रेस्पोडेन्ट्स व अन्य दावे के प्रतिवादीगण द्वारा माननीय राजस्व अपील प्राधिकारी सवाई माधोपुर मे पेश किये जाने के फलस्वरूप माननीय न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी सवाई माधोपुर से अपील आंशिक स्वीकार की जाकर पत्रावली पुनः न्यायालय हाजा को रिमाण्ड की गई जो दिनांक 31.10.2012 को दर्ज किये जाने के बाद उक्त वाद पत्र न्यायालय हाजा मे विचाराधीन है जिसमे आगामी तारीख पेशी दिनांक 22.01.2014 नियत है और उक्त दावे मे पूर्व मे जारी अस्थायी निषेधाज्ञा यथावत है। दौराने दावा रेस्पोडेन्ट ने दावे मे विवादित आराजी खसरा नं0 51, 55 ग्राम एकट मे से मृतक लच्छा पुत्र गोपी को दिनांक 06.05.2013 को अवैध तौर पर अस्थायी निषेधाज्ञा जारी रहते हुए अपीलॉण्ट से छिपाते हुये विरासत नामान्तरकरण राजस्व कर्मियों व रेस्पोडेन्ट नं0 7 से साजिश कर अपने हक मे अवैध तौर पर जैर अपील नामान्तरकरण नम्बर 1026 दिनांक 6.5.2013 को दौराने दावा करा लिया है। उक्त विरासत नामा0 दौराने दावा है लिसपैण्डिस है और अपीलॉण्ट के हक हकूको पर प्रारम्भ से ही शून्य बेअसर प्रभावहीन है और अपीलॉण्ट पर बाध्यकारी नहीं है। ऐसी स्थिति मे जैर अपील निर्णय दिनांक 06.05.2013 बाबत नामा0 सं0 1026 ग्राम एकट अधीनस्थ न्यायालय विधि विरुद्ध व प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के विवरीत होने से निरस्त किये जाने योग्य है। अतः अपील अपीलॉण्ट स्वीकार फरमाई जाकर निर्णय दिनांक 06.05.13 अधीनस्थ न्यायालय ग्राम पंचायत एकट निरस्त फरमाया जावे।

(तारामती वैष्णव)
उपखण्ड अधिकारी
सपोटरा जिला करौली

अपील दर्ज रजिस्टर कर तलबी रेषपोडेन्ट्स जरिये नोटिस की गई। रेषपोडेन्ट सं० 1 ता 6 ने उपस्थित होकर जरिये वकील वकालतनामा पेश अपनी उपस्थिति दी। रेषपोडेन्ट सं० 7 तथा 8 बावजूद ताभील उपस्थित न्यायालय नहीं आये है इसलिए इनके विरुद्ध एक्तरफा कार्यवाही के आदेश पारित किये गये। तहसीलदार सपोटस से अपीलार्थीन नामान्तरकरण तलब किया गया। अपीलार्थीन नामान्तरकरण एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली में उपलब्ध नामान्तरकरण सं० 1026 ग्राम एकट में अंकन से यह स्पष्ट है कि रेषपो० सं० 1 ता 7 मृतक खातेदार लच्छा के वारिश्मान है और मृतक खातेदार लच्छा के वैध वारिश्मान का विशसत का नामान्तरकरण नियमानुसार दर्ज कर फैसल किया जाना कानूनन उचित है। नामान्तरकरण अपील के माध्यम से किसी खातेदार की आराजी का हरतान्तरण किसी भी शीति से किया जाना संभव नहीं है, अपीलॉण्ट का विवादित आराजीया तमे यदि कोई हिस्सा बनता भी है तो उसका निस्तारण विचारार्थीन वाद पत्र के माध्यम से साक्ष्य एवं सबूतों के आधार पर तय किया जावेगा। अपीलॉण्ट वकील ने अपील तथ्यों में विवादित आराजीयात पर अस्थायी निषेधाज्ञा लागू होने का जिक किया है किन्तु इसके सम्बन्ध में ऐसा कोई दस्तावेज पेश नहीं किया है जिससे यह स्पष्ट हो कि विवादित आराजीयात पर किसी प्रकार का स्थगन हो। विवादित आराजीयात से सम्बन्धित वाद पत्र इस न्यायालय में विचारार्थीन है इस बाबत पेश की गई वाद पत्र की आदेशिका दिनांक 20.03.2013 तक ही प्रस्तुत की गई है इसके बाद की आदेशिका प्रस्तुत नहीं करने के कारण वाद पत्र की वर्तमान स्थिति का पता नहीं चल सकता है। अतः अपील खारिज किये जाने योग्य है।

अतः अपील अपीलॉण्ट खारिज की जाती है। निर्णय सरे इजलास आज दिनांक 19.03.2019 को लिखाया जाकर सुनाया गया। अपीलार्थीन नामान्तरण की मूल प्रति तहसीलदार सपोटस को निर्णय की प्रमाणित प्रति के साथ भिजवाया जावे। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।


(तारामती वैष्णव आरएएस)
उपखण्ड अधिकारी
सपोटस जिला करौली